हिंदी विभाग

वार्षिक रिपोर्ट 2017

1. पुस्तक मेला भ्रमण : 14 जनवरी , 2017 को हिंदी विभाग की अंतिम वर्ष की छात्राओं का दल विश्व पुस्तक मेला (07 से 15 जनवरी , 2017) में भाग लेने हेतु प्रगति मैदान पहुंचा , जिसमें कुल 28 छात्राएं और 4 अध्यापक थे. छात्राओं ने विभिन्न प्रकाशनों के स्टाल पर जाकर पुस्तकों के बारे जानकारी एकत्रित की, पुस्तकें खरीदी और मेले में उपस्थित गण्यमान्य साहित्यकारों से मुलाकात की. इस अवसर पर विभाग की ओर से डॉ. रजत रानी मीनू, डॉ. सुषमा सहरावत , डॉ. कुमारी अनीता और डॉ. मनोज कुमार उपस्थित थे.
2. अंतरराष्ट्रीय संगोष्टी का आयोजन : हिंदी विभाग द्वारा 24 जनवरी 20 17 को एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. संगोष्ठी का विषय था : 'अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में हिंदी साहित्य'. संगोष्टी का आरम्भ दीप प्रज्वलन से किया गया . डॉ. रजत रानी मीनू द्वारा आमंत्रित वक्ताओं का परिचय पाठ करने के पश्चात प्राचार्य डॉ. कल्पना भाकुनी ने अपने स्वागत वक्तव्य में अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्यकारों के अध्ययन – अध्यापन पर बल दिया. उन्होंने हिंदी के अंतर्राष्ट्रीय साहित्य को मेड इन इंडिया से जोड़ा. सत्र के प्रमुख वक्ता के रूप में बोलते हुए लन्दन से आये प्रवासी कथाकार तेजेंद्र शर्मा ने प्रवासी कथाकारों को मुख्यधारा से न जोड़े जाने पर नाराजगी जताई. उन्होंने प्रवासी साहित्य के मानवीय मूल्यों की विस्तार से चर्चा की. अमेरिका से आयी प्रवासी लेखिका सुषम बेदी ने अपने साहित्य के माध्यम से अमेरिकी समाज के लोकतान्त्रिक एवं मानवीय मूल्यों की चर्चा करते हुए प्रवासी साहित्यकारों के अंतर्मन को स्पष्ट किया. डॉ. हरीश अरोड़ा ने तीसरे वक्ता के रूप में बोलते हुए मॉरिशस , सूरीनाम, फिजी इत्यादी देशों में लिखे जा रहे प्रवासी साहित्य के पीढ़ीगत बदलाव को रेखांकित किया. द्वितीय सत्र में चुनिन्दा शोध पत्रों का विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया. दोनों सत्रों का सञ्चालन क्रमशः डॉ. संगीता वर्मा एवं डॉ. मनोज कुमार ने किया. संगोष्ठी का समापन संगोष्टी की संयोजिका और विभाग- प्रभारी डॉ, सुषमा सहरावत के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ.
3. रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन : 17 फरवरी 2017 को हिंदी विभाग द्वारा एक रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रसिद्ध वेब

पत्रिका 'जानकी पुल' के मॉडरेटर डॉ. प्रभात रंजन ने छात्राओं को 'डेली हंट' , ब्लागस्पाट.कॉम जैसे डिजिटल माध्यमों से अपनी रचनात्मकता को लोगों तक पहुँचाने की प्रक्रिया स्पष्ट की.

4. हिंदी साहित्य उत्सव का आयोजन : 22 फरवरी 2017 को हिंदी साहित्य परिषद्, रचनात्मक लेखन समिति 'सृजन' और वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजन समिति 'अभिव्यक्ति' के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्महाविद्यालय कविता पाठ प्रतियोगिता और वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया किया गया. वाद विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रसिद्ध पत्रकार और साहित्यकार डॉ. कल्लोल चक्रबर्ती और जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की डॉ. कहकशां आमंत्रित थे. कमला नेहरु कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की कोमल उपाध्याय ने कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया. इस प्रतियोगिता की चल वैजयंती हिंदी विभाग , मिरांडा हाउस कॉलेज की छात्रा ऋचा मिश्र और प्रियंका को प्रदान किया गया. अन्तर्महाविद्यालय मौलिक कविता लेखन प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. पल्लव , और, हास्य कवि दीपक गुप्ता शामिल थे. राखी , गार्गी कॉलेज ने इस श्रेणी का प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया.
5. नाटक प्रतियोगिता का आयोजन : 06 अप्रैल 2017 को हिंदी विभाग की ओर से तीनों

   वर्ष की छात्राओं के लिए नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. सर्वश्रेष्ठ नाटक का पुरस्कार द्वितीय वर्ष की छात्राओं द्वारा नाटक ' एसिड अटैक' को प्रदान किया गया. सर्वश्रेष्ठ पटकथा लेखन का पुरस्कार ज्योति (786) को 'निष्पक्ष नेता चुनना' नाटक के लिए दिया गया. सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार प्रथम वर्ष की छात्र जयंती लोहिया को 'सामाजिक जागरूकता' नाटक के लिए दिया गया. सर्वश्रेष्ठ अभिनय का पुरस्कार संयुक्त रूप से अंतिम वर्ष की छात्रा पिंकी और द्वितीय वर्ष की छात्रा राम भतेरी को दिया गया.

6. पुरस्कार वितरण समारोह : 24 अप्रैल 2017 को हिंदी विभाग द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विभाग प्रभारी डॉ. सुषमा सहरावत ने सत्र की रिपोर्ट प्रस्तुत की और प्रतिभाशाली छात्राओं को शुभकामनाएं और आशीर्वचन प्रदान किया. छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं की गयीं.

7. प्रवेश प्रक्रिया : 20 जुलाई 2017 से आरम्भ होने वाले नये सत्र के लिए 47 छात्राओं का नामांकन हुआ.
8. परीक्षा परिणाम : हिंदी विभाग का परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा . 69 में से 58 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में वार्षिक परीक्षा उत्तीर्ण की. सर्वाधिका अंक वारिजा चौधरी(69 प्रतिशत) ने प्राप्त की. द्वितीये वर्ष में 40 में 32 छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. राम भतेरी ने 77 प्रतिशत के साथ उच्चतम अंक प्राप्त किये. प्रथम वर्ष में 54 में से 44 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की . किरण कुमारी और निहारिका उपाध्याय ने 8. 36 अंकों से उच्चतम स्थान प्राप्त किया.
9. तुलसी जयंती कार्यक्रम : 29 अगस्त 2017 को हिंदी साहित्य परिषद् का विधिवत उद्घाटन किया गया और इस अवसर पर तुलसी जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया. हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. विनोद तिवारी इस अवसर पर विशिष्ट अथिति थे. उन्होंने 'तुलसी काव्य में लोकमंगल' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया. इस अवसर पर विभाग के साथी डॉ. मनोज कुमार के लेखन और निर्देशन में ' सीता अग्नि परीक्षा नहीं देगी' नाटिका का मंचन भी किया गया.
10. एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन : 13 नवम्बर 2017 को 'सिनेमा और साहित्य का अंतरसंबंध' विषय पर के दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. संगोष्ठी को तीन सत्रों में विभाजित किया गया था. प्रथम सत्र में सिनेमा विशेषज्ञ और सीएसडीएस के शोधकर्ता रविकांत ने बीज वक्तव्य दिया. 'जनसत्ता' समाचार पत्र के संपादक श्री मुकेश भरद्वाज ने इस अवसर पर अपने वक्तव्य प्रस्तुत किया. इस सत्र की अध्यक्षता प्रसिद्ध साहित्यकार और पदमश्री सम्मान से सम्मानित डॉ. नरेन्द्र कोहली ने किया. द्वितीय सत्र में, सिनेमा अध्येता श्री संजय जोशी और मीडिया विश्लेषक अमरनाथ अमर ने ' हिंदी सिनेमा में बदलती स्त्री छवि' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये. इस सत्र की अध्यक्षता पी.जी. डी. ए . वी. कॉलेज (संध्या) के प्रोफेसर डॉ. हरीश अरोड़ा ने की. तृतीय सत्र में ' हिदी साहित्य और सिनेमा की बदलती भाषा' विषय पर बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के डॉ. पुनीत बिसारिया ,सत्यवती कॉलेज (संध्या) की प्रोफेसर डॉ. रचना बिमल ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया. इस सत्र में प्रतिभागियों के चुनिन्दा शोध पत्रों का वचन भी किया गया. इस सत्र की अध्यक्षता प्रसिद्ध साहित्यकार और मीडिया विश्लेषक श्री लक्ष्मी सहनकर वाजपेई ने की.

संगोष्ठी के अंत में संयोजिका एवं विभाग प्रभारी डॉ. सुषमा सहरावत ने सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया.

.....